एथेनॉल बायो-रफिाइनरी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में ओडशिा के बारगढ़ ज़लि की भाटली तहसील के बोलासधिा गाँव में भारत पेट्रोलयिम कॉरपोरेशन द्वारा स्थापति कयि जा रहे सेकेंड जेनरेशन (2G) इथेनॉल बायो-रफिाइनरी की नींव रखी गई।

संयंत्र के बारे में

- यह बॉयो-रफिाइनरी संयंत्र देश का अपने कस्मि का पहला संयंत्र है जो चावल की भूसी का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करके प्रतविर्ष 3 करोड़ लीटर एथेनॉल उत्पादन करेगा।
- इस संयंत्र द्वारा उत्पादति एथेनॉल को पेट्रोल के साथ मश्रिति कयि जाएगा।
- इस परयिोजना की लागत लगभग 100 करोड़ रुपए है।

भारत के लयि बायो-फ्यूल का महत्त्व

- बढ़ती ऊर्जा सुरक्षा ज़रूरतों और पर्यावरण की चति के कारण बॉयो-फ्यूल का महत्त्व बढ़ा है।
- अनेक देशों ने अपनी घरेलू ज़रूरतों के अनुसार बॉयोफ्यूल के उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहन देने के लयि वभिन्नि प्रक्रयिाएँ और प्रोत्साहन लागू कयि हैं।
- भारत में प्रतविर्ष लगभग 120-160 MMT अतरिक्ति बॉयोमास की उपलब्धता है। जसिके परविर्तति होने पर 3 हज़ार करोड़ लीटर एथेनॉल के उत्पादन की क्षमता स्थापति हो जाएगी।
- भारत की राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति 2018 में वर्ष 2030 तक पेट्रोल में 20 प्रतशित एथेनॉल के मश्रिण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में एथेनॉल उपलब्ध न होने के कारण पेट्रोल में केवल 3 से 4 प्रतशित एथेनॉल का मश्रिण कयि जा रहा है।
- 2जी एथेनॉल संयंत्रों की स्थापना से पेट्रोल में एथेनॉल का मश्रिण करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मलिेगी।

पर्यावरण के साथ-साथ कसिानों को भी लाभ

- बारगढ़ बायो-रफिाइनरी सालाना दो लाख टन चावल की भूसी का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करेगी।
- बायो-रफिाइनरी एथेनॉल उत्पादन के लयि चावल की भूसी का उपयोग करके पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करेगी और बेकार भूसी को खेतों में नहीं जलाना पड़ेगा।
- पेट्रोल में एथेनॉल के मश्रिण से जीवाश्म ईंधन की तुलना में ग्रीन हाउस गैसों का कम उत्सर्जन होगा।
- इस संयंत्र से वातावरण को स्वच्छ रखने के अलावा चावल की भूसी बायो-रफिाइनरी को बेचने से कसिानों की अतरिक्ति आमदनी बढ़ने के फलस्वरूप उनकी सामाजकि और आर्थकि स्थतियिों को सुधारने में मदद मलिेगी।

रोज़गार सृजन तथा देश की आत्मनरि्भरता में वृद्धि

- इसके अलावा, इस संयंत्र के नरि्माण, परचिालन और बायोमास आपूर्ति शृंखला प्रबंधन से लगभग 1200 लोगों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार जुटाने में मदद मलिेगी।
- इस क्षेत्र में बुनयिादी ढाँचे के वकिास और क्षेत्र के लोगों की आजीवकिा में सुधार को बढ़ावा मलिेगा तथा एथेनॉल के मश्रिण से देश का तेल नरि्यात घटने और वदिेशी मुद्रा की बचत से देश की आत्मनरि्भता में बढ़ोत्तरी होगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/odisha-governor-lays-foundation-stone-for-second-generation-

ethanol-bio-refinery-in-bargarh